කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව

දුරස්ථ සහ අඛණ්ඩ අධ්‍යාපන කේන්ද්‍රය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි තෙවන පරීක්ෂණය (බාහිර) - 2016

2022 නොවැම්බර් - 2023 ජනවාරි

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දී (පැරණි නිර්දේශය)

HIND - E 3025

පුරාතන හින්දී සාහිත්‍ය ඉතිහාසය හා නූතන හින්දී පද්‍ය සාහිත්‍ය උද්ධෘත

(නියමිත /අනියමිත)

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව: 06යි | කාලය: පැය 03යි

केवल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या 01 तथा 02 अनिवार्य हैं।

01. निम्नलिखित पद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (20 अंक)

(क) इस करुणा कलित हृदय में
अब विकल रागिनी बजती
क्यों हा–हाकार स्वरों में
वेदना असीम गरजती।

जो घनीभूत पीड़ा थी
मस्तक में स्मृति–सी छायी
दुर्दिन में आँसू बनकर
वह आज बरसने आयी।

(ख) चढ़ रही थी धूप
गर्मियों के दिन,
दिवा का तमतमाता रूप,
उठी झुलसाती हुई लू,
रुई ज्यों जलती हुई भू,

गर्द चिनगीं छा गयी,
प्रायः हुई दुपहर.....
वह तोड़ती पत्थर।

02. निम्नलिखित पद्यांश की भावार्थ सहित व्याख्या कीजिए। (20 अंक)

जग के आँगन में आयी है,
नव प्रभात की प्रथम किरण
वन-वन, तरु-तृण पर छायी है,
नव प्रभात की प्रथम किरण।

अंधकार मिट गया विश्व का
घर-घर खुशहाली छायी,
जागृति का संदेश मनोहर
नव प्रभात किरण लायी।

03. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की **विधवा** कविता का भावार्थ लिखिए। (20 अंक)

04. '**आँसू** काव्य में विरह का चित्रण है।' समझाइए। (20 अंक)

05. हिंदी साहित्य के काल विभाजन का परिचय दीजिए। (20 अंक)

06. हिंदी साहित्य की भक्तियुगीन साहित्यिक धाराओं का परिचय दीजिए। (20 अंक)

****